परिशिष्ट 20

नये नियम में डीकन

इस अध्ययन में हमने लगातार ग्रीक शब्द 'डाइकोनोस'(एकवचन) और 'डाइकानोई(बहुवचन) को इस्तेमाल किया है जिससे अग्रेजी भाषा के शब्द 'डीकन' और 'डीकंस' बने हैं। डीकंस होते कौन हैं?

नये नियम में हम केवल तीन ऐसी मण्डलियों के बारे में पढ़ते हैं जिनमें डीकन पाये जाते थे और तीनों मामलों में, वे प्राचीनों से जुड़े हुए हैं। तथापि वे चुने हुए और नियुक्त थे, किसी मण्डली का संचालन करने के लिए नहीं, परन्तु उन्हें कलीसिया में कुछ विशेष काम करने के लिए चुना गया था।

1. डीकनों की सीमाएं।

(1) डीकन अपने पद के साथ अधिकारों को लेकर सीमित थे।

बाइबल की शिक्षा। नया नियम डीकनों के अधिकारों को लेकर बहुत सी बातों के बारे में बताता है। हालांकि बाइबल में लिखा गया है कि मण्डली में प्राचीनों की नियुक्ति होनी चाहिए, लेकिन यह नहीं कहा गया है कि कलीसियाओं में डीकन को नियुक्त किया जाना चाहिए।

बाइबल का इतिहास। यरूशलेम की कलीसिया को छोड़कर(प्रेरितों के काम 6:1-7), बाइबल में केवल दो और ऐसी मण्डलियां थीं जिनमें डीकन थे, खासतौर पर फिलिप्पियों की कलीसिया(फिलिप्पियों 1:1) इफिसुस की कलीसिया(1तीमुथीयुस 3:8-13)। अत: नये नियम के अनुसार हर कलीसिया में डीकन का होना जरूरी नहीं है। यरूशलेम की कलीसिया में डीकनों को किसी खास काम और एक निर्धारित समय के लिए चुना गया था। उदाहरण के लिए, फिलिप्पुस एक नियत समय के लिए डीकन था(प्रेरितों 6:5; 8:4-5)।

(2) डीकन अगुवाई को लेकर अपने अधिकारों के साथ सीमित थे।

डीकन कभी प्राचीन का स्थान नहीं ले सकते। डीकर का काम, प्राचीन के काम से फरक है। डीकन का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मण्डली की अगुवाई करना नहीं है। डीकनों का परिषद सम्भवत: कलीसिया की अगुवाई करने के नज़रियों से प्राचीनों(प्रेस्बूटेरियन, 1तीमुथीयुस 4:14) के परिषद का स्थान नहीं ले सकता। इस लिए बेहतर तो यह होगा कि डीकनों का कोई बोर्ड या परिषद हो ही नहीं। होने दें कि डीकन प्राचीनों की अधीनता में होकर कार्य करें। डीकन का काम कलीसिया का मार्गदर्शन करना नहीं मार्गदर्शन में सुझाये गये कामों को करना है।

प्राचीन चाहे तो किसी व्यक्ति या डीकन को विशेष कार्यभार सौंप सकता है। जब कभी प्राचीन डीकनों को कोई जिम्मेदारी सौंपते हैं,तब भी प्राचीन सम्पूर्ण कलीसिया का और उसमें होने वाली सारी गतिविधियों का ज़िम्मेदार होता है।

(3) डीकन अपने कामों के दायरे में सीमित थे।

डीकनों के काम मण्डली के सदस्यों के काम से भी फरक हैं। डीकन शब्द का अर्थ सेवक है। प्रेरितों 6:1-7 के अनुसार डीकनों को मण्डली के अतिविशेष कामों के लिए चुना गया था। तथापि, 1 पतरस 4:10-11के अनुसार मण्डली के सभी सदस्यों को अपनी योग्यतओं और अपने आत्मिक वरदानों का इस्तेमाल करते हुए कलीसिया में सक्रियता के साथ काम करना चाहिए। अत: डीकन मण्डली में कार्य दूसरे सदस्यों का स्थान नहीं ले सकता था।

2. बाइबल के अनुसार डीकन की दो योग्यताएं।

प्रेरितों 6:3; 1 तीमुथीयुस 3:8-13।

खोजें व चर्चा करें । बाइबल के अनुसारे एक डीकन की क्या योग्यताएं हैं?

ध्यान दें। डीकन का चुनाव उनके पद, शक्ति, समाज में उनकी सम्पत्ति के आधार पर नहीं होता वरन उनका चुनाव उनके व्यक्तिगत व्यवहार, उनके परिवारिक जीवन और सेवकाई की योग्यता के तहत होना चाहिए।

3. डीकन के काम।

प्रेरितों 6:1-2; याकूब 1:27; 2:15-17; 1 यूहन्ना 3:16-18; 2 कुरिन्थियों अध्याय 8-9।

खोजें व चर्चा करें। डीकन के विशेष काम क्या हैं?

ध्यान दें।

(1)डीकनों के काम प्राचीनों के काम से बिल्कुल भिन्न हैं।

डीकन, प्राचीन का स्थान नहीं ले सकते। डीकनों की परिषद को प्राचीनों की परिषद में रूपान्तरित नहीं किया जा सकता। डीकन का काम सेवा करना है, कलीसिया के कामों का मार्गदर्शन करना नहीं।

(2) डीकनों का काम कलीसिया के सदस्यों के कामों स भी बिल्कुल अलग है।

डीकन कलीसिया के सदस्यों का स्थान नहीं ले सकते और न ही वे कलीसिया के सभी कामों को भी नहीं कर सकते।

(3) डीकनों का मुख्य काम परमेश्वर के वचन के प्रचार किये जाने तथा मण्डली की बढ़ौतरी होने की वजह से उत्पन्न परिस्थितियों की देखभाल करना है।

प्रेरितों 6:1-7 पढ़ें।

ध्यान दें। यरूशलेम की प्रारम्भिक मण्डली में, डीकनों को एक विशेष काम के लिए चुना गया था। जब कलीसिया में लोगों की संख्या 5000 हो गयी तो कलीसिया में भिन्न भिन्न प्रकार की समस्याएं व जरूरतें सामने आने लगीं-जैसे बहुत से लोगों को प्रतिदिन भोजन देते समय नज़रअन्दाज़ किया जाता है। प्रेरितों ने मण्डली के बीच में से सात सुनाम पुरूषों को इस विशेष सेवा करने के लिए चुना। डीकनों को इसलिए चुना गया क्योंकि प्राचीनें के पास इतना समय या ताकत नहीं थी कि वे अपना प्रार्थना का काम छोडकर इस प्रकार के कामों में लगें। अत: डीकनों को सीमित काम ही दिये जाने चाहिए, जिसके लिए विशेष कौशल या जिसे अभी तक भी कलीसिया द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। अत: डीकन ऐसे विशेष अगुवे हैं जो कलीसिया के प्राचीनों द्वारा नियुक्त किये गये कामों को करते हैं। डीकंस मण्डली की अधीनता में आने वाले किसी खास समूह के अगुवे या शिक्षक हो सकते हैं: जवानों के अगुवे, सुसमाचार सभाओं या कृपा योजनाओं के सह-आयोजक, आर्थिक क्षेत्रों को प्रबन्ध करने वाले हो सकते हैं। प्राचीन मण्डली में अगुवाई करने के लिए हैं परन्तु डीकन योजनाओं के अर्न्तगत कामों को करने के लिए हैं।

(4) डीकनों का पारम्परिक काम मण्डली में जरूरत मन्दों की देखभाल करना।

प्रेरितो के काम 6:1-2; 1 कुरिन्थियों 16:2-3;याकूब 1:27;2:15-17; 1 यूहन्ना 3:16-18।

ध्यान दें। कि नये नियम में डीकनों का चुनाव सिर्फ इसलिए हुआ था कि प्राचीनों के पास लोगों की व्यवहारिक जरूरतों को पूरा करने या देखभाल करने के लिए समय और ताकत नहीं थी। डीकनों के कामों में से एक प्रमुख काम भेटें इकट्ठा करना है, जिसे मसीही लोग परमेश्वर को देते हैं, और फिर ईमानदारी के साथ उस मण्डली के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए खर्च कर दिया जाता है। 2 कुरिन्थियों अध्याय 8और 9(8:4,20; 9:1,12,13)उन्होंने अपने वरदानों के द्वारा जरूरत पड़ने पर दूसरी कलीसियाओं की भी सहायता की ।

साराशं। यदि डीकनों का चुनाव किया गया तो उनका चुनाव मण्डलियों की अगुवाई करने के लिए नहीं किया गया था, वे कलीसिया में विशेष कामों को करने के लिए चुने गये थे। वे कलीसिया के दूसरों सदस्यों की सेवा का स्थान नहीं ले सकते,परन्तु उन क्षेत्रों में अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं जिसमें उनको महारथ हासिल है या जिन क्षेत्रों में मण्डली के लोग काम करना नहीं चाहते हैं। वे तब तक काम करते हैं जब तक कि काम पूरा नहीं हो जाता है।